NCERT
National Council Of Educational Research And Training

Class 10th NCERT Solutions Hindi Kshitij: Chapter 5 उत्साह और अट नहीं रही

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

Class 10th NCERT Solutions Hindi Kshitij: Chapter 5 उत्साह और अट नहीं रही

Class 10: Hindi Kshitij Chapter 4 solutions. Complete Class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 Notes.

Class 10th NCERT Solutions Hindi Kshitij: Chapter 4 आत्मकथ्य

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 4, class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 solutions

https://www.indcareer.com/schools/class-10th-ncert-solutions-hindi-kshitij-chapter-5-%e0%a4%89%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b9-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%85%e0%a4%9f-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%80/

प्रश्न **1.** कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है**?**

उत्तर-

कवि बादलों को क्रांति का सूत्रधार मानता है। वह उससे पौरुष दिखाने की कामना करता है। इसलिए वह उसे गरजने-बरसने के लिए बुलाता है, न कि फुहार छोड़ने, रिमझिम बरसने या केवल बरसने के लिए। कवि तापों और दुखों को दूर करने के लिए क्रांतिकारी शक्ति की अपेक्षा करता है।

प्रश्न **2.** आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है**?**

उत्तर-

'अभी समय भी नहीं' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कवि को लगता है कि उसने जीवन में अब तक कोई ऐसी उपलब्धि नहीं हासिल की है जो दूसरों को बताने योग्य हो तथा उसकी दुख और पीड़ा इस समय शांत है अर्थात् वह उन्हें किसी सीमा तक भूल गया है और इस समय उन्हें याद करके दुखी नहीं होना चाहता है।

प्रश्न **3.** स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है**?**

उत्तर-

कविता में बादल तीन अर्थों की ओर संकेत करता है

1. जल बरसाने वाली शक्ति के रूप में
2. उत्साह और संघर्ष के भाव भरने वाले कवि के रूप में
3. पीड़ाओं का ताप हरने वाली सुखकारी शक्ति के रूप में।

प्रश्न **4.** भाव स्पष्ट कीजिए

(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।

आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।

अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

उत्तर-

(क) उक्त पंक्तियों का भाव यह है कि कवि भी अन्य लोगों की भाँति सुखमय जीवन बिताना चाहता था पर परिस्थिति वश सुखमय जीवन की यह अभिलाषा उसकी इच्छा बनकर ही गई। सुख पाने का उसे अवसर भी मिला पर वह हाथ आते-आते रह गया अर्थात् उसकी पत्नी की मृत्यु हो जाने से वह सुखी जीवन का आनंद अधिक दिनों तक न पा सका।

(ख) कवि की प्रेयसी अत्यंत सुंदर थी। उसके कपोल इतने लाल, सुंदर और मनोहर थे कि प्रात:कालीन उषा भी अपना सौंदर्य बढ़ाने के लिए लालिमा इन्हीं कपोलों से लिया करती थी। अर्थात् उसकी पत्नी के कपोल उषा से भी बढ़कर सौंदर्यमयी थे।

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 4, class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 solutions

प्रश्न 5. उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ**,** मधुर चाँदनी रातों की’**-** कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है**?**

उत्तर-

आत्मकथ्य कविता की भाषागत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

(i) संस्कृत शब्दावली की बहुलता**-**‘आत्मकथ्य’ कविता में संस्कृतनिष्ठ भाषा का प्रयोग हुआ है; जैसे

- इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास।
- उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।

(ii) प्रतीकात्मकता**-**‘आत्मकथ्य’ कविता में प्रतीकात्मक भाषा का खूब प्रयोग हुआ है; जैसे

- मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी।
- तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।
- उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।

https://www.indcareer.com/schools/class-10th-ncert-solutions-hindi-kshitij-chapter-5-%e0%a4%89%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b9-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%85%e0%a4%9f-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%b9/

IndCareer

- सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की।

(iii) बिंबात्मकता-**'**आत्मकथ्य**'** कविता में बिंबों के प्रयोग से दृश्य साकार हो उठे हैं**;** जैसे

- मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी।।
- मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
- अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(iv) अलंकार**-**आत्मकथ्य कविता में अनुप्रास और मानवीकरण अलंकार की छटा दर्शनीय है

अनुप्रास

– कह जाता कौन कहानी यह अपनी।

तब भी कहते हो कह डालें।

मानवीकरण –

मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी।

थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(v) रोयता एवं संगीतात्मकता-आत्मकथ्य कविता की प्रत्येक पंक्ति के अंत में दीर्घ स्वर एवं स्वर मैत्री होने से योग्यता । एवं संगीतात्मकता का गुण है; जैसे

तब भी कहते हो–कह डालें, दुर्बलता अपनी बीती। तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती।

प्रश्न **6.** कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है**?**

उत्तर-

कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था, कविता में उसकी अभिव्यक्ति इस प्रकार है-कवि की पत्नी अत्यंत सुंदर थी। उसका रूप-सौंदर्य प्रात:कालीन उषा से भी बढ़कर था। कवि को उसके रूप-सौंदर्य को सान्निध्य अल्पकाल के लिए ही मिल सका। उसकी पत्नी सुख की अल्पकालिक मुसकान बिखेरकर उसके जीवन से दूर हो गई। इससे कवि की चिरकाल तक सुख पाने की कामना अपूर्ण रह गई । कवि ने इस व्यथा को दबाना तो चाहा पर कविता में वह प्रकट हो ही गई

- जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
  अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में ।।
- उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।

रचना और अभिव्यक्ति

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 4, class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 solutions

प्रश्न **7.** इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है**,** उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं की झलक मिलती है

- विनम्रता : प्रसाद जी छायावाद के चार स्तंभों में प्रमुख स्थान रखते हैं, फिर भी वे अत्यंत विनम्र थे। वे अपने जीवन को उपलब्धिहीन मानकर कहते थे-छोटे-से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ।
- सरल स्वभाव : प्रसाद जी सरल स्वभाव वाले व्यक्ति थे। वे अपनी सरलता की हँसी नहीं उड़ाना चाहते थे–यह विडंबना! अरे सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
- यथार्थता : प्रसाद जी यथार्थवादी थे। वे यथार्थ को स्वीकार कर कहते थे—तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

प्रश्न **8.** आप किन व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ना चाहेंगे और क्यों**?**

उत्तर-

मैं उन व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ना चाहूँगा, जिन्होंने अपनी मातृ भूमि और देश के लिए सुखों को ठोकर मार दिया और अपने देश के आन-बान और शान के लिए ठोकरें खाईं, संघर्ष किया और आवश्यकता पड़ने पर मौत को भी गले लगा लिया। मैं राणा प्रताप, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस जैसों की आत्मकथा पढ़ना चाहूँगा।

प्रश्न **9.** कोई भी अपनी आत्मकथा लिख सकता है। उसके लिए विशिष्ट या बड़ा होना जरूरी नहीं। हरियाणा राज्य के गुड़गाँव में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली बेबी हालदार की आत्मकथा "आलो आंधारि" बहुतों के द्वारा सराही गई। आत्मकथात्मक शैली में अपने बारे में कुछ लिखिए।

उत्तर-

छात्र अपने बारे में आत्मकथात्मक शैली में स्वयं लिखें।

अन्य पाठेतर हल प्रश्न

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 4, class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 solutions

प्रश्न **1.** 'मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ' किसका प्रतीक हैं**?** ये किसका बोध करा रही हैं**?**

उत्तर-

'मुरझाकर गिरने वाली पत्तियाँ' मानव जीवन में आए दुख और निराशाओं की प्रतीक हैं। कवि के जीवन में आए दुख वृक्ष की पत्तियों के समान गिरकर, एक-एक कर क्रमशः याद आ रहे हैं। इससे कवि को जीवन की नश्वरता का बोध भी हो रही है।

प्रश्न **2.** 'असंख्य जीवन-इतिहास' कहकर कवि किस ओर संकेत करना चाहता है**?**

उत्तर-

'असंख्य जीवन-इतिहास' कहकर कवि उन अगणित लोगों की ओर संकेत करना चाहता है जिन्होंने अपनी-अपनी आत्मकथा लिखी। उसमें अपनी दुर्बलताओं का उल्लेख किया और उन्हें लोगों के व्यंग्य मलिन उपहास का सामना करना पड़ा।

प्रश्न **3.** कवि के मित्र उससे क्या आग्रह कर रहे थे**?** वह इस आग्रह को पूरा क्यों नहीं करना चाहता था**?**

उत्तर-

कवि के मित्र उससे यह आग्रह कर रहे थे कि कवि अपनी आत्मकथा लिखे। कवि उनका यह आग्रह इसलिए नहीं पूरा करना चाहता था क्योंकि इससे पहले अनगिनत लोगों ने आत्मकथा लिखी। उसमें उन्होंने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ दुर्बलताओं का भी उल्लेख किया, जिससे वे उपहास का पात्र बन गए।

प्रश्न **4.** कवि को अपनी गागर रीती क्यों लगती है**?**

उत्तर-

कवि को अपनी गागर अर्थात् जीवन इसलिए रीती (सूना) या खाली सा लगता है क्योंकि उसे लगता है कि उसे जीवन में कोई विशेष उपलब्धि हासिल न हो सकी। उसकी पत्नी की असामयिक मृत्यु हो जाने से उसने जिस सुख की कल्पना की थी, वह उसके पास आकर भी मात्र स्वप्न बनकर रह गया।

प्रश्न **5.** 'तुम ही खाली करने वाले' के माध्यम से कवि किनसे, क्या कहना चाहता है**?**

उत्तर-

'तुम ही खाली करने वाले' के माध्यम से कवि अपने उन मित्रों से कहना चाहता है जो उससे आत्मकथा लिखने का आग्रह कर रहे हैं। कवि उनसे यह कहना चाहता है कि मेरी आत्मकथा में मेरे जीवन के कटु अनुभवों को सुनकर तुम यह न समझ बैठो कि मेरे जीवन को रसहीन बनाकर सूनापन भरने वाले तुम्हीं स्वयं हो।

प्रश्न **6.** कवि किसकी हँसी नहीं उड़ाना चाहता है और क्यों**?**

उत्तर-

कवि ने अपना जीवन अत्यंत सरलता से जीया है। इस अत्यधिक सरलता के कारण उसे अपनों के छल-कपट और प्रवंचना का शिकार होना पड़ा है। इस पर भी कवि अपनी इस सरलता का उपहास नहीं उड़ाना चाहता है भले ही यही सरलता उसके अनेक कष्टों का कारण रही है।

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 4, class 10 Hindi Kshitij Chapter 4 solutions

Class 10: Hindi Kshitij Chapter 5 solutions. Complete Class 10 Hindi Kshitij Chapter 5 Notes.

Class 10th NCERT Solutions Hindi Kshitij: Chapter 5 उत्साह और अट नहीं रही

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 5, class 10 Hindi Kshitij Chapter 5 solutions

प्रश्न 1. कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने के लिए कहता है, क्यों**?**

उत्तर-

बच्चे की दंतुरित मुसकान को देखकर कवि का मन प्रसन्न हो उठता है। उसके उदास-गंभीर मन में जान आ जाती है। उसे ऐसे लगता है मानो उसकी झोंपड़ी में कमल के फूल खिल उठे हों। मानो पत्थर जैसे दिल में प्यार की धारा उमड़ पड़ी हो या बबूल के पेड़ से शेफालिका के फूल झरने लगे हों।।

क्यों बच्चे की निश्छलता और पिता की ममता के कारण ही कवि-मन इस तरह प्रभावित होता है। "

प्रश्न 2. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है**?**

उत्तर-

कवि ने कविता का शीर्षक उत्साह इसलिए रखा है, क्योंकि कवि बादलों के माध्यम से क्रांति और बदलाव लाना चाहता है। वह बादलों से गरजने के लिए कहता है। एक ओर बादलों के गर्जन में उत्साह समाया है तो दूसरी ओर लोगों में उत्साह का संचार करके क्रांति के लिए तैयार करना है।

प्रश्न **3.** कविता में बादल किन**-**किन अर्थों की ओर संकेत करता है**?**

उत्तर-

कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को निम्नलिखित बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है

1. बच्चे की मुसकान से मृतक में भी जान आ जाती है।
2. यों लगता है मानो झोंपड़ी में कमल के फूल खिल उठे हों।
3. यों लगता है मानो चट्टानें पिघलकर जलधारा बन गई हों।
4. यों लगता है मानो बबूल से शेफालिका के फूल झरने लगे हों।

प्रश्न **4.** शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो**,** नाद**-**सौंदर्य कहलाता है। उत्साह कविता में ऐसे कौन**-**से शब्द हैं जिनमें नाद**-**सौंदर्य मौजूद हैं**,** छाँटकर लिखें।

उत्तर-

'उत्साह' कविता में नाद सौंदर्य वाले शब्द निम्नलिखित हैं

बादल गरजो!

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

प्रश्न **5.** जैसे बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं वैसे ही कवि के अंतर्मन में भी भावों के बादल उमड़-घुमड़कर कविता के रूप में अभिव्यक्त होते हैं। ऐसे ही किसी प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर अपने उमड़ते भावों को कविता में उतारिए।

उत्तर-

ऊपर देखो आसमान में,

किसने रंग बिखेरा काला।

सूरज जाने कहाँ छिप गया,

खो गया उसका कहीं उजाला ॥

देख गगन का काला चेहरा

बिजली कुछ मुसकाई ।

लगा बहाने गगन बनाने,

ज्यों बिजली ने आँख दिखाई ॥

कुछ वसुधा में आन समाया॥

वह लाई एक थाल में पानी,

उसका मुँह धुलवाया।

थोड़ा पानी आसमान में

बाकी सब धरती पर आया ।।

कुछ टपका फूलों पर जाकर

कुछ ने चातक की प्यास बुझाया।

कुछ तालों कुछ फसलों तक

NCERT 10th Hindi Kshitij Chapter 5, class 10 Hindi Kshitij Chapter 5 solutions

अन्य पाठेतर हल प्रश्न

प्रश्न **1.** कवि ने क्रांति लाने के लिए किसका आह्वान किया है और क्यों **?**

उत्तर-

कवि ने क्रांति लाने के लिए बादलों का आह्वान किया है। कवि का मानना है कि बादल क्रांतिदूत हैं। उनके अंदर घोर गर्जना की शक्ति है जो लोगों को जागरूक करने में सक्षम है। इसके अलावा बादलों के हृदय में बिजली छिपी है।

प्रश्न **2.** कवि युवा कवियों से क्या आवान करता है**?**

उत्तर-

कवि युवा कवियों से आह्वान करता है कि वे प्रेम और सौंदर्य की कविताओं की रचना न करके लोगों में जोश और उमंग भरने वाली कविताओं की रचना करें, जो लोगों पर बज्र-सा असर करे और लोग क्रांति के लिए तैयार हो सकें।

प्रश्न **3.** कवि ने 'नवजीवन' का प्रयोग बादलों के लिए भी किया है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

कवि बादलों को कल्याणकारी मानता है। बादल विविध रूपों में जनकल्याण करते हैं। वे अपनी वर्षा से लोगों की बेचैनी दूर करते हैं और तपती धरती का ताप शीतल करके मुरझाई-सी धरती में नया जीवन फेंक देते हैं। वे धरती को फ़सल उगाने योग्य बनाकर लोगों में नवजीवन का संचार करते हैं।

प्रश्न **5.** कवि निराला बादलों में क्या**-**क्या संभावनाएँ देखते हैं**?**

उत्तर-

कवि निराला बादलों में निम्नलिखित संभावनाएँ देखते हैं

- बादल लोगों को क्रांति लाने योग्य बनाने में समर्थ हैं।
- बादल धरती और धरती के प्राणियों दोनों को नवजीवन प्रदान करते हैं।
- बादल धरती और लोगों का ताप हरकर शीतलता प्रदान करते हैं।

प्रश्न **6.** कवि ने बादलों के किन**-**किन विशेषणों का प्रयोग किया है**,** स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

कवि ने बादलों को 'आज्ञात दिशा के घन' और 'नवजीवन वाले' जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है। कवि उन्हें अज्ञात दिशा के घन इसलिए कहा है क्योंकि बादल किस दिशा से आकर आकाश में छा गए, पता नहीं। इसके अलावा वे धरती और प्राणियों को नवजीवन देते हैं।

प्रश्न **7.** **'**कहीं साँस लेते हो**'** ऐसा कवि ने किसके लिए कहा है और क्यों**?**

अथवा

कवि ने फागुन का मानवीकरण कैसे किया है**?** ।

उत्तर-

फागुन महीने में तेज हवाएँ चलती हैं जिनसे पत्तियों की सरसराहट के बीच साँय-साँय की आवाज़ आती है। इसे सुनकर ऐसा लगता है, मानो फागुन साँस ले रहा है। कवि इन हवाओं में फागुन के साँस लेने की कल्पना कर रहा है। इस तरह कवि ने फागुन का मानवीकरण किया है।

प्रश्न **8.** **'**उड़ने को नभ में तुम पर**-**पर कर देते हो**'** के आलोक में बताइए कि फागुन लोगों के मन को किस तरह प्रभावित करता है**?**

उत्तर-

'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' से ज्ञात होता है कि फागुन में चारों ओर इस तरह सौंदर्य फैल जाता है कि वातावरण मनोरम बन जाता है। रंग-बिरंगे फूलों के खुशबू से हवा

में मादकता घुल जाती है। ऐसे में लोगों का मन कल्पनाओं में खोकर उड़ान भरने लगता है।

प्रश्न **9.** ‘अट नहीं रही है’ कविता के आधार पर फागुन में उमड़े प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर-

फागुन का सौंदर्य अन्य ऋतुओं और महीनों से बढ़कर होता है। इस समय चारों ओर हरियाली छा जाती है। खेतों में कुछ फसलें पकने को तैयार होती हैं। सरसों के पीले फूलों की चादर बिछ जाती है। लताएँ और डालियाँ रंग-बिरंगे फूलों से सज जाती हैं। प्राणियों का मन उल्लासमय हुआ जाता है। ऐसा लगता है कि इस महीने में प्राकृतिक सौंदर्य छलक उठा है।

प्रश्न **10.** ‘अट नहीं रही है’ कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

‘अट नहीं रही है’ कविता में फागुन महीने के सौंदर्य का वर्णन है। इस महीने में प्राकृतिक सौंदर्य कहीं भी नहीं समा रहा है और धरती पर बाहर बिखर गया है। इस महीने सुगंधित हवाएँ वातावरण को महका रही हैं। पेड़ों पर आए लाल-हरे पत्ते और फूलों से यह सौंदर्य और भी बढ़ गया है। इससे मन में उमंगें उड़ान भरने लगी हैं।

प्रश्न **11.** ‘उत्साह’ कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

कवि ने ‘उत्साह’ कविता में बादलों का आह्वान करते हुए क्रांति लाने के लिए कहा है। इस कविता में बादलों को क्रांतिदूत मानकर सोए, अलसाए और कर्तव्यविमुख लोगों को क्रांति लाने के लिए प्रेरित किया गया है। इस क्रांति या विप्लव के बिना समाज की जड़ता और कर्तव्यविमुखता में परिवर्तन लाना संभव नहीं है। लोगों में उत्साह भरना ही ‘उत्साह’ कविता का उद्देश्य है।

Chapterwise NCERT Solutions for Class 10 Hindi Kshitij :

- Chapter 1 पद
- Chapter 2 राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद
- Chapter 3 सवैया और कवित्त
- Chapter 4 आत्मकथ्य
- Chapter 5 उत्साह और अट नहीं रही
- Chapter 6 यह दंतुरहित मुस्कान और फसल
- Chapter 7 छाया मत छूना
- Chapter 8 कन्यादान
- Chapter 9 संगतकार
- Chapter 10 नेताजी का चश्मा
- Chapter 11 बालगोबिन भगत
- Chapter 12 लखनवी अंदाज़
- Chapter 13 मानवीय करुणा की दिव्या चमक
- Chapter 14 एक कहानी यह भी
- Chapter 15 स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन
- Chapter 16 नौबतखाने में इबादत
- Chapter 17 संस्कृति

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.